Title: Need to provide Rs. Two Lakh compensation to the families of victims of the fire accident in a Petroleum Stock Near Mathura district and enquire the matter with C.B.I.

श्री रामजीलाल ्सुमन (फिरोजा्बाद) : अध्यक्ष महोद्य, मथुरा रिफाइनरी में जितने पैट्रोल्यिम प्रोडक्ट्स ्बनते हैं, उनकी ्बड़े पैमाने पर चोरी होती है। तीन मई को मथुरा के निकट फरह गा्व और ्वहां ्से नौ किलोमीटर दूर एक ्बेरी गा्व है। एक पैट्रोल्यिम प्रोडक्ट नेफ्था आता है, ्यह अत्यधिक ज्वलन्शील पदार्थ है और लोग मिट्टी के तेल में नेफ्था को मिलाकर, एक केमीकल और डालकर पैट्रोल ्बनाकर उ्सको ्बेचते हैं। जि्सके पा्स पेटी डीजल का लाइ्सें्स था, ्वह दलित था, लेकिन इ्स काम को दू्सरे ही लोग कर रहे थे। 400 लीटर का उ्सके पा्स लाइ्सें्स था, लेकिन ज्ब ्यह वि्स्फोट हुआ, उ्स ्सम्य 3800 लीटर तेल था, जि्समें छः ड्रम नेफ्था के थे। ्यह नेफ्था फटा, जि्समें अ्भी तक 50 लोगों की मौत हो गई है और 150 लोग आगरा, मथुरा और दिल्ली के वि्भिन्न अ्स्पतालों में ्भर्ती हैं। रिफाइनरी ्से ्बड़े पैमाने पर पैट्रोल्यिम प्रोडक्ट्स की चोरी हो रही है। उत्तर प्रदे्श के ्सत्ता्रूढ़ दल के लोग मिट्टी के तेल में नेफ्था मिलाकर ्बड़े पैमाने पर घपला करने का काम कर रहे हैं। ्यह काम ्सरकारी ्संरक्षण में हो रहा है। उत्तर प्रदे्श की ्सरकार ने इमदाद के लिए जो कमिटमेंट कि्या था और ्सू्बे के ्वजीर लोग जो ्वहां पहुंचे थे, न तो लोगों की चिकि्त्सा का ्समुचित इन्तजाम हुआ है, न मुआ्वजा मिला है। मुआ्वजे के नाम पर कहीं 25,000 रुप्ये और कहीं 50,000 रुप्ये लोगों को दि्ये ग्ये हैं। एक ही प्रि्वार के 4-4, 5-5, 6-6 लोग मारे ग्ये हैं। एक व्यक्ति को कम ्से कम दो लाख रुप्या मुआ्वजा मिलना चाहिए, ्यह एक गम््भीर ्स्वाल है और इ्समें ्सी.्बी.आई. की जांच होनी चाहिए कि कौन इ्स घपले में ्शामिल हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : जीरो ऑ्वर में ्भा्ाण नहीं देना है।